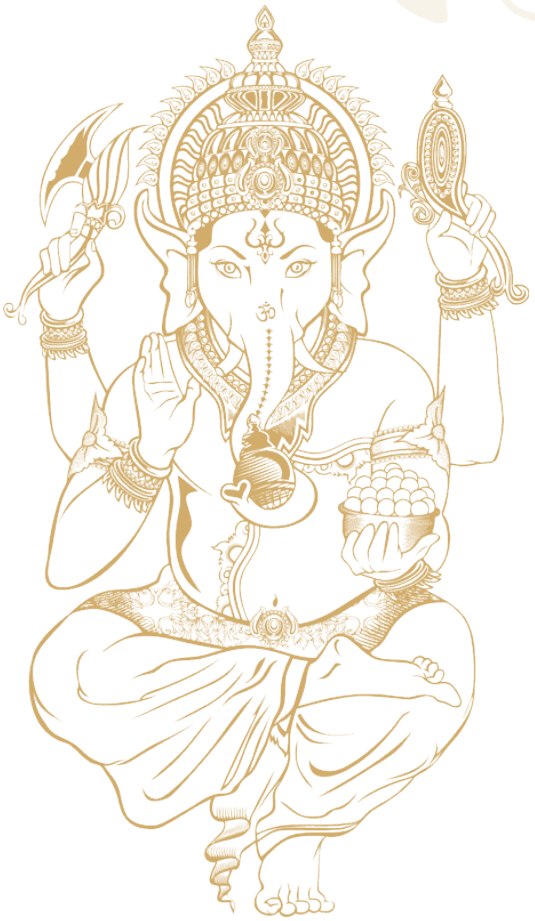

Manish puri

29 Sep 1997

06:05 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121564002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-29/09/1997**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**06:05:00 घंटे**
इष्ट	59:41:06 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:43:52 घंटे
वेलान्तर	00:09:17 घंटे
साम्पातिक काल	06:15:08 घंटे
सूर्योदय	06:12:33 घंटे
सूर्यास्त	18:10:39 घंटे
दिनमान	11:58:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	12:05:07 कन्या
लग्न के अंश	09:30:35 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	09:30:35	318:00:25	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	12:05:07	00:58:57	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	सम राशि
चंद्र			सिंह	13:07:11	11:47:06	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	06:14:24	00:41:53	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	स्वराशि
बुध			कन्या	00:25:51	01:46:21	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	उच्च राशि
गुरु	व		मक	18:24:29	00:01:49	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			तुला	25:39:24	01:08:14	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	स्वराशि
शनि	व		मीन	23:57:19	00:04:35	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	सम राशि
राहु			सिंह	25:57:05	00:00:44	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	25:57:05	00:00:44	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:00:38	00:00:46	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:23:02	00:00:20	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:35:50	00:01:29	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	09:38:53	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:28

लग्न-चलित

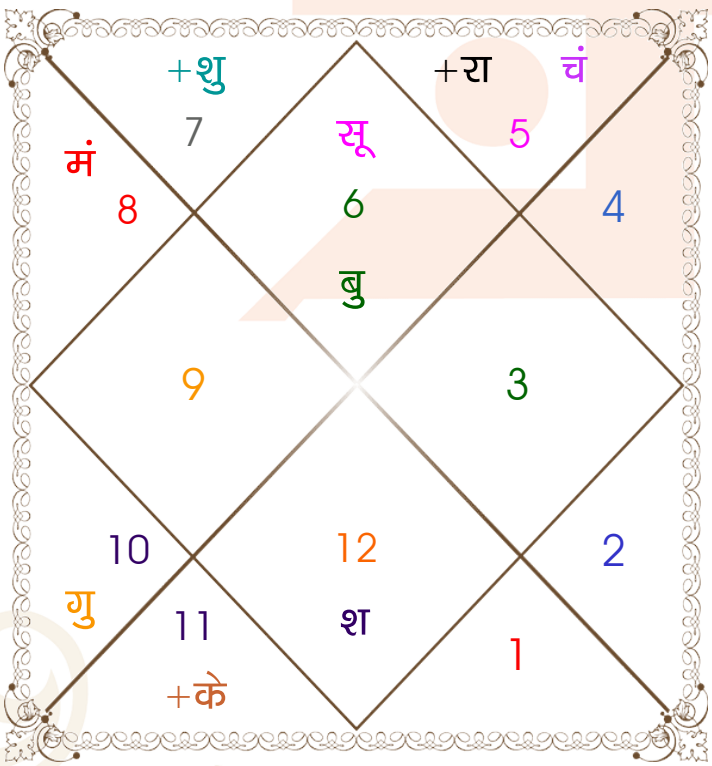

चन्द्र कुंडली

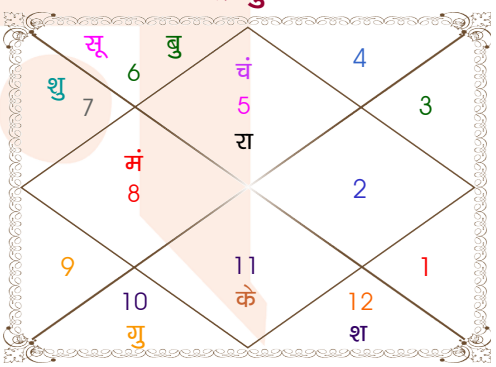

नवमांश कुंडली

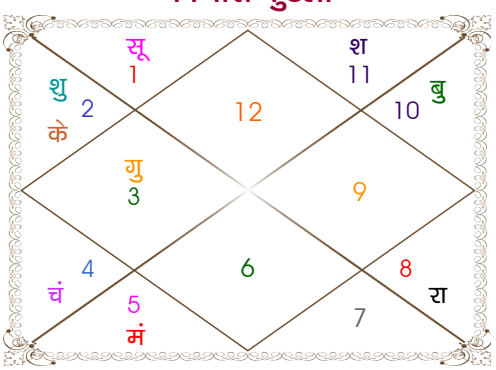

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 1 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
29/09/1997		09/11/1997		09/11/2017		09/11/2023		09/11/2033	
09/11/1997		09/11/2017		09/11/2023		09/11/2033		08/11/2040	
	00/00/0000	शुक्र	10/03/2001	सूर्य	26/02/2018	चंद्र	09/09/2024	मंगल	07/04/2034
	00/00/0000	सूर्य	10/03/2002	चंद्र	28/08/2018	मंगल	10/04/2025	राहु	25/04/2035
	00/00/0000	चंद्र	09/11/2003	मंगल	03/01/2019	राहु	10/10/2026	गुरु	31/03/2036
	00/00/0000	मंगल	08/01/2005	राहु	27/11/2019	गुरु	09/02/2028	शनि	10/05/2037
	00/00/0000	राहु	09/01/2008	गुरु	15/09/2020	शनि	09/09/2029	बुध	07/05/2038
	00/00/0000	गुरु	09/09/2010	शनि	28/08/2021	बुध	08/02/2031	केतु	03/10/2038
	00/00/0000	शनि	09/11/2013	बुध	04/07/2022	केतु	09/09/2031	शुक्र	04/12/2039
	29/09/1997	बुध	09/09/2016	केतु	09/11/2022	शुक्र	10/05/2033	सूर्य	09/04/2040
बुध	09/11/1997	केतु	09/11/2017	शुक्र	09/11/2023	सूर्य	09/11/2033	चंद्र	08/11/2040

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
08/11/2040		09/11/2058		09/11/2074		09/11/2093		10/11/2110	
09/11/2058		09/11/2074		09/11/2093		10/11/2110		30/09/2117	
राहु	23/07/2043	गुरु	27/12/2060	शनि	12/11/2077	बुध	06/04/2096	केतु	08/04/2111
गुरु	15/12/2045	शनि	10/07/2063	बुध	22/07/2080	केतु	04/04/2097	शुक्र	07/06/2112
शनि	21/10/2048	बुध	15/10/2065	केतु	31/08/2081	शुक्र	02/02/2100	सूर्य	13/10/2112
बुध	11/05/2051	केतु	21/09/2066	शुक्र	30/10/2084	सूर्य	10/12/2100	चंद्र	14/05/2113
केतु	28/05/2052	शुक्र	22/05/2069	सूर्य	12/10/2085	चंद्र	11/05/2102	मंगल	10/10/2113
शुक्र	29/05/2055	सूर्य	10/03/2070	चंद्र	14/05/2087	मंगल	09/05/2103	राहु	29/10/2114
सूर्य	22/04/2056	चंद्र	10/07/2071	मंगल	21/06/2088	राहु	25/11/2105	गुरु	05/10/2115
चंद्र	21/10/2057	मंगल	15/06/2072	राहु	28/04/2091	गुरु	02/03/2108	शनि	12/11/2116
मंगल	09/11/2058	राहु	09/11/2074	गुरु	09/11/2093	शनि	10/11/2110	बुध	30/09/2117

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 1 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं है। बल्कि आपकी अभिरूचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगे। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपने मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकते हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगे। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपने स्पन्दित आदतों को त्याग सकते हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेते है और कार्य के पीछे पड़ जाते है। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्य ा है।

आप बुद्धिमान स्तर के प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करते हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करते हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकते हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकते हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके के द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप की प्यारी पत्नी भगवान की देन प्रमाणित होगी। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जों अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आप अपनी वासनात्मक प्रवृति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगे।

आप निःसंदेह दीर्धायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगे। परन्तु आप अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकते हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेंगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।